तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 12 मई 2024

8 इंडस स्कूल में धूमधाम से मनाया मातृत्व दिवस

8 19 बुखार पीड़ितों के सैंपल लेकर लैबोरेट्री भेजे

धीर आंखों का हस्पताल
✦ आंखों के पर्दे (Retina) के ऑपरेशन व ईलाज ✦ काला मोतिया
✦ नासूर ✦ पढ़वाल ✦ टेढी आंख ✦ भैंगापन ✦ झुकी पलकें ✦ एन्जिओग्राफी
✦ ओसीटी ✦ पुतली बदलने (Cornea Transplant) का ऑपरेशन
महम चौक, भिवानी सम्पर्क करें:- 9416632127, 8396098900, 7027280885
सरकारी व प्राईवेट पैनल उपलब्ध है।
चश्मा उतरवाएं लेजर द्वारा
✦ बेहतरीन नजर ✦ कोई परेशानी नहीं ✦ उसी दिन छुट्टी
सफेद मोतिया का ऑपरेशन
लेजर विधि द्वारा बिना टांका, बिना चीरा

खबर संक्षेप

महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी, केस दर्ज

जींद। नए बस अड्डे पर बस में चढ़ रही महिला यात्री के गले से भीड़ का फायदा उठा कर दो महिलाओं ने सोने की चेन को तोड़ लिया और फरार हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामा कालोनी सफीदों निवासी बिमला ने पुलिस को शिकायत दी है।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से शिक्षिका की मौत

कैथल। गांव अगौंध में एक ट्रैक्टर-ट्राली चालक ने करीब 40 वर्षीय प्राइवेट शिक्षिका को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव निवासी रघुबीर सिंह ने गुहला थाना में शिकायत दी कि उसकी बहन राजबाला शिशु निकेतन स्कूल भूना में प्राइवेट टीचर थी। 10 मई को वह बहन को स्कूल छोड़ने के लिए बाइक पर जा रहा था।

पिस्तौल,दो जिंदा कारतूस के साथ एक युवक दबोचा

जींद। उचाना थाना पुलिस ने बस अड्डे पर एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दो चले हुए कारतूस बरामद किए हैं। उचाना थाना पुलिस पकडे गए युवक से पूछताछ कर रही है। उचाना थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि उचाना बस अड्डे पर एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने कही जाने की फिराक में है।

मारपीट, धमकी का आरोप, मामला दर्ज

कैथल। मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो मामलों में पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पहले मामले में गांव मूंदड़ी के ी कर्ण सिंह ने पूंडरी थाना में शिकायत दी कि आठ मई को रात के समय आरोपी आरोपी दिनेश, रजत व रतन ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

घर में घुस महिला से मारपीट, मामला दर्ज

जींद। गांव खांडा घर में घुस महिला पर हमला कर घायल करने पर अलेवा थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव खांडा निवासी बिमला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका खेत में गया हुआ था। रात को सोनू डंडा लेकर दिवार फांद कर घर में घुस आया और हमला कर दिया। जिसमें उसे चोटें आई।

मूंदड़ी में दुकान से सामान चोरी

कैथल। जिले के गांव मूंदड़ी से चोर एक शैटरिंग की दुकान से सामान चुराकर ले गए। ईश्वर सिंह ने पूंडरी पुलिस को शिकायत दी कि गांव में उसकी शैटरिंग की दुकान है। पांच मई को रात के समय आरोपी मनु उसकी दुकान से मकान बनाने का सामान चोरी कर ले गया। उसे 65 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

महिला, मेहमान को पीटा, 6 पर मुकदमा

जींद। गांव रूपगढ़ में महिला तथा उनके घर आए मेहमान पर हमला कर घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उदय की पत्नी पूजा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भाई के साथ गांव बलभेडा कैथल निवासी महाबीर उनके यहां आया हुआ था।

बरसात के साथ आई तेज आंधी ने बिजली निगम की बिगाड़ी व्यवस्था, सप्लाई बाधित

आंधी से 630 खंभे और 39 ट्रांसफार्मर गिरे

तेज आंधी से नगूरां में ढहे तीन मकान, बरसात के बाद गली, सड़कों पर भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में शुक्रवार देर शाम बारिश के साथ आई आंधी ने बिजली निगम की व्यवस्था को बिगाड़ कर रख दिया। इससे शहर की अधिकत्तर कॉलोनियों समेत कई गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। जिलेभर में आई तेज आंधी से 630 पोल और 39 ट्रांसफार्मर गिर गए। वहीं कई जगह पेड़ भी टूट गए। बारिश के कारण कई जगह लाइनों में फॉल्ट आ गए। इससे बिजली सप्लाई बाधित हो गई। नरवाना डिविजन के दनौदा पावर हाउस से जुड़े लगभग 15 गांव और सफीदों क्षेत्र के 25 गांव अंधेरे में डूब गए। इन गांवों की बिजली सप्लाई शनिवार दोपहर बाद तक बहाल हो पाई। वहीं शहर में भी बिजली बाधित होने से शहर के लोगों को गर्मी और मच्छरों में रात बितानी पड़ी। जींद शहर के भिवानी रोड, न्यू कृष्णा कालोनी, रोहतक रोड पर भी कई-कई घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इसके अलावा 11 केवी बेलरखां, 11 केवी जाजनवाला, 11 केवी रसीदां, 11 केवी ढाबी, 11 केवी बरटा, 11 केवी गुलाडी रोड, 11 केवी गुरुकुल, 11 केवी हमीगरढ़, खरक की बिजली सप्लाई पेड़ गिरने से बाधित हो गई जो कि शनिवार देर शाम शुरू हो पाई। 200 से 'यादा उपभोक्ताओं ने बिजली निगम के सर्कल में शिकायतें दर्ज करवाई गई। शहर में अधिकतर जगह मोटी केबल जलने, लाइन में फॉल्ट और फ्यूज उड़ने की शिकायत मिल रही थीए जिनको ठीक करने में काफी समय लगा। बारिश तथा तेज आंधी के कारण बिजली निगम को 'यादा नुकसान नरवाना क्षेत्र में हुआ।

जींद। गिरा बिजली का खंभा। फोटो :हरिभूमि

तापमान में आई गिरावट

पिछले कुछ दिनों से तापमान में इजाफा हो रहा था। भीषण गर्मी का जनजीवन पर साफ असर देखने को मिल रहा था। तापमान 40 डिग्री पार जा रहा था। बीती रात हुई बारिश के कारण अधितकतम तापमान तीन डिग्री लुढक कर 38 डिग्री पर आ गया। जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री पर स्थिर बना रहा। शनिवार को दिन का आगाज साफ मौसम के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ तापमान में भी इजाफा होना शुरू हो गया। हवा की गति 19 किलोमीटर प्रति घंटा रही। राहत की बात यह रही कि हवा गर्म नही थी। मौसम में आद्रता 25 प्रतिशत दर्ज की गई। रात को हुई बारिश ने आंशिक राहत देने का कार्य किया है। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि बारिश से बीजी गई फसलों को फायदा हुआ है। गर्मी से भी कुछ राहत मिली है। आगे मौसम परिवर्तनशील रहेगा। आकाश में बादलवाई भी देखने को मिलेगी। तापमान मे भी इजाफा होगा।

नरवाना क्षेत्र में नौ मीटर के 251, 11 मीटर का एक खंभा और 14 ट्रांसफार्मर गिर गए। इसके अलावा जींद एरिया में नौ मीटर के 106, 11 मीटर के दो और सात ट्रांसफार्मर तूफान में गिर गए।

सफीदों क्षेत्र में नौ मीटर के 150, 11 मीटर के 120 और 18 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए। इसके कारण संबंधित क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। शनिवार दिनभर खंभे खड़े करने और ट्रांसफार्मर लगाने का काम चला। कई जगह तो शनिवार देर रात बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। वहीं दनौदा पावर हाउस के अधीन आने वाले लगभग दस गांव में बिजली नहीं आने के कारण ग्रामीणों के दिनचर्या के काम अटक गए। पशुओं के लिए चारा काटने का बिना बिजली के नहीं हो पाया वहीं पेयजल सप्लाई भी बाधित हुई। बिजली निगम के अधीक्षक अभियंता जितेंद्र ढुल ने बताया कि बारिश और तेज आंधी के चलते बिजली निगम को काफी नुकसान पहुंचा है। जिलेभर में करीब 630 खंभे और 39 ट्रांसफार्मर गिरे हैं। इससे कई जगह बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। जो कि शनिवार तक सभी जगह बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया।

राजौंद। गांव नीमवाला व संतोख माजरा में गिरे पेड़। फोटो :हरिभूमि

पेड़ गिरने से मार्ग अवरुद्ध

राजौंद। कई दिनों से बरस रही आग ने जहां लोगों का जीना दुर्भर करके रख दिया है, वहीं शुक्रवार शाम को अचानक हुई बूंदाबांदी से लोगों ने कुछ राहत की सांस ली। पिछले कई दिन से पड़ रही जी तोड़ गर्मी से लोगों को राहत महसूस हुई। ग्रामीणों ने बताया कि झुलसा देने वाली गर्मी से उन्हें थोड़ी राहत अवश्य महसूस हुई है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से गर्म हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने के लिए विवश कर रखा था। असहनीय गर्मी के कारण पशु भी बुरी तरह बेहाल हो रहे थे। अचानक आसमान पर छाए काले बादलों के हुई बूंदाबांदी व ठंडी हवा से लोगों को बहुत राहत मिली है। इसके अलावा गांव नीमवाला व संतोख माजरा के रास्ते पर रात आए तेज तूफान से पेड़ गिरने से रास्ते अवरुद्ध हो गए। इसके अलावा कई मार्गों पर जो सूखे हुए पेड़ है वह भी टूट कर सड़क पर गिरे हैं। जिससे रात को ही रास्ते पूरी तरह से बंद हो गए।

जींद। उचाना के रेलवे रोड पर भरा बारिश का पानी। फोटो :हरिभूमि

रातभर बिजली सप्लाई बाधित होने से आमजन को उठानी पर परेशानी

जींद। सड़कों पर जमा बरसाती पानी व नगूरां गांव में दिखाई देता गिरा मकान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में बीती रात धूल भरी आंधी तथा बारिश के चलते होर्डिंस, बोर्ड, तथा छप्पर उखड़ गए। वहीं नगूरां में तीन मकान भी ढह गए। इसके अलावा कुछ स्थानों पर बिजली के पोल तथा वृक्ष भी टूट कर गिर गए। जिसके चलते रात को बिजली स्पलाई भी बाधित हो गई। कुछ स्थानों पर शनिवार दोपहर बाद ही बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा नही हुआ। जिले में रात को कहीं हलकी बूंदाबांदी तो कहीं पर अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। जिसने गर्मी से कुछ राहत दी। जिले में औसत तौर पर 15.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। जींद में 5.6 एमएम, नरवाना में 22 एमएम, सफीदों में 6 एमएम, जुलाना में 12 एमएम, उचाना में 5 एमएम, पिल्लूखेड़ा में 21 एमएम, अलेवा में 28.6 एमएम दर्ज की गई।

नगूरां में तीन मकान ढहे

शुक्रवार रात को तेज हवा व बारिश के चलते नगूरां गांव में बने तीन मकान धड़ाम से गिर गए। हालांकि मकान गिरने से किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। मकान मालिक नगूरां निवासी राजेश, शमशेर, सुभाष ने बताया कि गांव में उनके द्वारा मकान बनाए थे। शुक्रवार रात को तेज हवा व बारिश के चलते अचानक से मकान गिर गए। हालांकि मकान गिरने से घर में सोये परिवार के किसी सदस्य को चोटें नहीं पहुंची है। मकान मालिकों ने सरकार से गिरे मकान का सर्वे करवा नुकसान की भरपाई करने की मांग की है।

मौसम विभाग के अनुसार दो दिन मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। आकाश में बादलवाई भी दिखाई देगी। तापमान मे इजाफा होगा।

नैना चौटाला के काफिले पर हमले का एक आरोपी गिरफ्तार, वीडियो के आधार पर आठ की पहचान

■ एक दर्जन से ज्यादा गांवों के लोगों ने पंचायत में दुष्यंत चौटाला से मिलने का लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

उचाना क्षेत्र के गांव रोजखेड़ा में हिसार लोकसभा से जजपा प्रत्याशी नैना चौटाला के काफिले पर हमले के बाद उचाना थाना पुलिस ने रामदिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने विरोध और हमले की वीडियो के आधार पर आठ लोगों की पहचान कर ली है और उन्हें पकड़ने के लिए गांव में छापेमारी की है। मामले में संलिप्त लोगों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं और वो घर से फरार हैं। वहीं इस घटनाक्रम के बाद शुक्रवार को थुआ तपा खाप, घोघड़ियां, रोजखेड़ा, कहसून, बड़ौदा, करसिंधू, काकड़ौद, खटकड़, सुंदरपुरा, भौंसला गांव के मौजिज लोगों ने घोघड़ियां के सरकारी स्कूल में पंचायत की। इसमें सरपंच, पंच से लेकर नंबरदार शामिल रहे। पंचायत में वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीणों का लड़ाई व झगड़े की कोई योजना नहीं थी। उन्होंने केवल विरोध करना चाहा लेकिन सब कुछ अचानक से हो गया। वह दुष्यंत चौटाला से मिलेंगे और घटनाक्रम में शामिल बच्चों को माफ करने की बात करेंगे। पंचायत के बाद सभी लोग पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मिलने के लिए हिसार चले गए। खेड़ा खाप के प्रधान सतबीर सिंह, रामकुमार, श्रीकांत, मनदीप बूरा, पूर्व सरपंच बिजेंद्र, राजू, सोमदत्त थुआ, सतबीर खटकड़, अशोक काकड़ौद, लखविंदर सुंदरपुरा, रमेश सरपंच, नसीब भौंसला, सतबीर बड़ौदा, रणबीर घोघडिया, कुलबीर घोघडियां, बिजेंद्र, पाल घोघडिया, बीरेंद्र घसो कलां, होशियारा रोजखेड़ा, रेशम बड़ौदा, हरनारायण फौजी, मंगल, जगदीश मौजूद रहे।

आंधी से उखड़ी खेतों में लगी सोलर प्लेट

नरवाना। शुक्रवार देर शाम आए तेज तूफान में किसानों को हुआ भारी नुकसान दनौदा कलां निवासी जगवीर पुत्र राजकुमार किसान ने जानकारी देते हुए बताया की देर शाम जो तूफान आया उसमे उनके खेत में लगे सोलर प्लेटो उखड़ कर करीब एक एकड़ दूर जा पड़ी जिससे उनको काफ़ी नुकसान हो गया। साथ ही उन्होंने बताया की इसी तरह आसपास क्षेत्र में किसानों को सोलर प्लेटो से अलग पेड़ो व खेत में बने कमरों में भी काफ़ी नुकसान हो गया।

राजौंद। पानी की समस्या को लेकर रोष जताते हुए। फोटो :हरिभूमि

पेयजल किल्लत पर जताया रोष

राजौंद। किच्छाना की हरिजन बस्ती में तीन दिन से पीने के पानी को लेकर लोगों ने रोष जताया। नेहा, पहल, महक, राधिका, हर्ष, मीनू, कविता, मीना, पिंकू ने बताया कि मोहल्ले में तीन दिनों से पानी नहीं आ रहा है। वह इस समस्या को लेकर कई बार जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा चुके है, लेकिन कोई भी समाधान नही हो रहा। गर्मी के इस मौसम में पानी के बिना एक पल भी नही रहा जा सकता। ऐसे में उन्हें पानी के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। पानी न आने से खफा महिलाओं ने खाली बर्तन उठाकर जन स्वास्थ्य विभाग के प्रति नारेबाजी की। इन्होंने मांग करते हुए कहा कि यदि शीघ्र पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1874 मामले निपटाए

जींद। राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायालय जींद व उपमंडल न्यायालय नरवाना तथा सफीदों में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवीर सिंह राठौर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न बेंचों ने एक करोड़ 70 लाख 69 हजार 561 रुपये की सेटलमेंट राशि के 1874 मामलों का निपटारा किया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय व हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में लोक अदालतों का आयोजन किया। जिसमें तीन बैंच जिला स्तर पर डा. चंद्रहास अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूजा सिंगला अतिरिक्त मुख्य न्याय दंडाधिकारी तथा विवेक सिंह न्याय दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी की देखरेख में लगाई। नरवाना में अश्वनी गुप्ता न्याय दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी तथा सफीदों में अमित नैन न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ने राष्ट्रीय लोक अदालतों में न्याय प्रक्रिया के तहत अपने फैसलें सुनाए।

जनसभा नायब सिंह सैनी ने कलायत में विजय संकल्प रैली को किया संबोधित

नशा हटाने की बात करने वाले गली गली शराब लेकर घूम रहे: मुख्यमंत्री

नपा के पूर्व चेयरमैन महिपाल राणा ने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, भारतीय जनता पार्टी की हुंकार बढ़ती जा रही है। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी नवीन जिन्दल के समर्थन में आज कैथल-कलायत बीजेपी की विजय संकल्प रैली में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारी संख्या में जुटे लोगों का आह्वान किया कि वे नवीन जिन्दल को 5 लाख की लीड मार्जिन से विजयी बनाएं। उन्होंने गरजते कहा कि हमें ऐसे लोगों से सचेत रहने की जरूरत है जो वकालत तो करते हैं नशा हटाने की, लेकिन जब देखो तब गली-गली शराब लेकर घूमते रहते हैं। जो बात तो करते हैं न्याय की, लेकिन चुनावों में झूठ बोलकर सत्ता को पाने का ख्वाब देखते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के तेवर आज कुछ अलग थे। उन्होंने कहा कि कलायत ने पिछली बार उन्हें रिकॉर्ड मतों से जिताया था और कांग्रेस के प्रत्याशी को मुंह की खानी पड़ी थी। इस दौरान नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन महिपाल राणा ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रत्याशी नवीन जिन्दल ने पटका पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रैली में हाथ उठाकर लोगों का अभिवादन स्वीकारते।

ये रहे मौजूद

राज्यमंत्री सुभाष सुधा, विधायक व पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स, चेयरमैन कैलाश भगत, पूर्व विधायक तेजबीर सिंह, राजरमन दीक्षित,भीमसेन अग्रवाल, जसवंत पठानिया, रामपाल राणा, सुरेश संधु, राजू कौशिक, सुरेश गर्ग नौच, राजबीर कादयान, जयदीप राणा, कपिल दीक्षित, राममेहर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जींद। सीवरेज के ढक्कन का लेबर ऊंचा-नीचा होने से गिरते-गिरते बचा बाइक सवार।

सीवरेज के मैनहोल का ढक्कन दे रहा हादसों को न्योता

उचाना। राजेंद्रा कालोनी में नपा कार्यालय की तरफ जाने वाली गली के बीच में सीवरेज के ढक्कन का लेबल ऊंचा-नीचा होने के चलते यहां दो पहिया वाहन चालक चोटिलें हो रहे है। ढक्कन के लेबल को ठीक करने की मांग स्वास्थ्य विभाग से वाहन चालकों, राहगीरों ने की है। यहां पर अंधेरा होने के बाद आने-जाने वाले भी गिर कर चोटिलें हो चुके है। जो सीवरेज के मेनहॉल पर ढक्कन रखा गया है उसकी चौड़ाई कम होने से लेबल ऊंचा-नीचा हो गया है। सुभाष शर्मा, वेदप्रकाश, सुनील, अमित ने कहा कि राजेंद्रा कालोनी में नपा कार्यालय होने के साथ-साथ इस कार्यालय में पटवारी भी कई गांवों में बैठते है। ऐसे में यहां पर आने-जाने वालों की संख्या अधिक होती है। जो गली में सीवरेज का मेनहॉल है उस पर जो ढक्कन रखा गया है उसका लेबल ऊंचा-नीचा होने के चलते विशेषकर दो पहिया वाहन चालक चोटिलें हो रहे है। कई बार इस ढक्कन को बदलने की मांग कर चुके है लेकिन कोई समाधान नहीं हो रहा है। जन स्वास्थ्य विभाग के जेई पुनीत नैन ने कहा कि इसको लेकर शिकायत नहीं है। यहां पर मेनहॉल के लेबल का ढक्कन रखवा दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

आईटीआई में मातृ दिवस मनाया

उचाना। नाथजी आईटीआई पालवां में शिव गोरक्षा एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी, उचाना सवारे्दय वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। सरपंच रितु रानी ने मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेते हुए कहा कि मां जीवन के पहले गुरू और उज्वल भविष्य की निर्माता होती है। एक अच्छी सुयोग्य माता ही पूरे जगत को समक्ष एवं सफल बना सकती है।

नैना चौटाला कल उचाना हलके में

उचाना। जेजेपी उम्मीदवार नैना चौटाला 13 मई को हलके के 15 गांवों के दौरे करेंगी। कार्यालय सचिव प्रो. जगदीश सिहाग एवं महिला हलकाध्यक्ष मुकेश डूमरखा ने बताया कि खटकड़ गांव से दौरे की शुरूआत नैना चौटाला करेंगी। मोहनगढ़ छापड़ा, भौंसला, कालता, कसूहन, खापड़, भौंगरा, बुडायन, मखंड, नचार खेड़ा, दुर्जनपुर, उदयपुर, दरोली खेड़ा, भगवानपुरा, डोहाना खेड़ा गांव के दौरे किए जाएंगे।

विद्यालय के लिए निकली छात्रा लापता

जींद। घर से स्कूल के लिए निकली छात्रा के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस पुलिस मामले की जांच कर रही है। अमरहेड़ी रोड निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत नौ मई को सुबह नौवी में पढ़ने वाली उसकी बेटी घर से स्कूल के लिए निकली थी।

महिला से अश्लील हरकत, मामला दर्ज

जींद। रोहतक रोड पर महिला से अश तथा विरोध करने, धमकी देने पर शहर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोहतक रोड निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका पड़ोसी विक्रम आते-जाते समय गली में उस पर अश कमेंट्स कसता है।

सोने के जेवर तथा नगदी ले उड़े चोर

जींद। गांव मखंड में परिवार के लोग लड़का पैदा होने की खुशी मना रहे थे। पीछे से चोर मकान का ताला तोड़ कर सोना, चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। उचाना थाना पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज करजाच शुरू कर दी है।

गांव मखंड निवासी विरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने चचेरे भाई के यहां लड़का पैदा होने पर छठी गाई जा रही थी।

घर का ताला तोड़कर हजारों की नकदी चोरी

जींद। रोहतक रोड पर परिवार के लोग शादी में गए हुए थे। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोना व चांदी के जेवरात, 27 हजार रुपये की नगदी को चारी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोहतक रोड निवासी बबली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार समेत शादी में गई हुई थी।

पति ने पत्नी को पीटा मामला दर्ज

जींद। अर्बन एस्टेट में पत्नी से मारपीट करने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अर्बन एस्टेट निवासी ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी उसके पति कर्मजीत के साथ कहासुनी हो गई। जिस पर पति ने उसके साथ मारपीट की। जिसमें उसे काफी चोटें आई।

स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को किया जागरूक

जींद । प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिवानामाल के स्वास्थ्य कर्मियों ने शनिवार को मोरखी गांव में स्वास्थ्य सुपरवाइजर रणधीर चहल के नेतृत्व में ग्रामीणों को नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से बाल विवाह एक अपराध पर जागरूक किया व रैपिड फीवर मास सर्वे किया।

बच्चों-अभिभावकों ने अपनी कला से मोहा सबका मन

इंडस स्कूल में धूमधाम से मनाया मातृत्व दिवस

कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी माताओं के लिए अनेक उपहार तैयार कर उनका स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा में शनिवार को मातृत्व दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी माताओं के लिए अनेक उपहार तैयार कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर इंडस पब्लिक स्कूल जींद की डायरेक्टर रचना श्योराण ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की।

इस मातृत्व दिवस की अध्यक्षता शिक्षाविद दिव्या मड़ोत्रा ने की। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर जेसीआई के नेशनल ट्रेनर रमेश सिंगला ने शिरकत की। इंडस पब्लिक स्कूल पिल्लूखेड़ा के चेयरमैन सुरेंद्र मड़ोत्रा, जेसीआई जींद अध्यक्ष मनोज जाखड़, समाजसेविका निरपाल कौर सेठी, अकबर खान, स्कूल के प्रिंसिपल रोहताश मलिक, जूनियर विंग मुख्याध्यापिका 'योति सैनी व अर्जिता सिंगला आदि ने विशेष रूप से शिरकत की। मातृत्व दिवस पर आयोजित इस समारोह में बच्चों ने अपनी माताओं के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर ऐसा समां बांधा कि सभी दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। इस मौके पर रचना श्योराण ने कहा कि मां हमारी प्रथम गुरु होती है तथा जब हम भटके हैं तो मां का आशीर्वाद ही हमारा पथ प्रदर्शन करता है।

मां और बच्चे का रिश्ता किसी परिभाषा का मोहताज नहीं

मां और बच्चे का रिश्ता किसी परिभाषा का मोहताज नहीं होता है। परंतु इसकी खूबसूरती को दर्शाने और अपनी माता के प्रति अपने स्नेह को प्रदर्शित करने के लिए हम इस दिवस को मनाते हैं।इस अवसर पर पेरेंटिंग प्लस विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता रमेश सिंगला ने कहा कि मां अपने बच्चे से निस्वार्थ प्रेम करती है और अपने मूल्यवान सबक और शिक्षाओं के माध्यम से हमारे जीवन का पोषण करती है। उन्होंने कहा कि मां का बच्चे की सफलता के लिए योगदान तथा त्याग अति महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने माताओं से आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को मोबाइल से अनावश्यक प्रयोग से दूर रखें। इस अवसर पर माताओं के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें रीना ने डांसिंग क्वीन मदर तथा सीमा ने बेस्ट अटायर मदर बनी। ममता, नितिन तथा पूजा ने बेस्ट डुएट परफॉमेंर्स मदर का खिताब जीता। नीलम बेस्ट ऑटिस्टिक मदर तथा 'योति ने बेस्ट एलिगेंट खिताब अपने नाम किया। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुमन कुंडू व कुसुम शर्मा ने बखूबी मंच संचालन किया।

पुलिसकर्मियों को दिए दिशा-निर्देश

- मधुबन से रेलवे थाना पहुंची टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। लोस चुनाव को लेकर दिशा-निर्देश देते हुए टीम। फोटो :हरिभूमि

राजकीय रेलवे पुलिस थाना में लोकसभा चुनाव को लेकर शनिवार को मधुबन से टीम पहुंची। टीम ने पुलिस कर्मचारियों को लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक और सुरक्षित करवाने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में रेलवे डीएसपी जितेंद्र कुमार, मधुबन से उपनिरीक्षक ओमप्रकाश और रिषिपाल शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 25 मई को प्रदेश भर में लोकसभा चुनाव का मतदान होगा। इसको शांतिपूर्वक और सुरक्षित करवाने के लिए हमें ईमानदारी तथा सर्तकतापूर्वक ड्यूटी करनी होगी। ड्यूटी के दौरान कोई भी कर्मचारी कोताही नहीं बरते। मतदान के दिन गंभीरता दिखाते हुए ड्यूटी पर समय से पहुंचे। इस अवसर पर थाना प्रभारी विनोद कुमार, नरवाना चौकी इंचार्ज चरण सिंह, उचाना चौकी इंचार्ज राजेश चहल, एएसआई सीमा, एएसआई कविता देवी, सुमित राठी, सुरेंद्र, स'जन, संदीप कौर, मुकेश देवी मौजूद रही।

जींद। छबील में शरबत पीलाते सेवादार। फोटो :हरिभूमि

पंजाबी चौक पर लगाई ठंडे पानी की छबील

नरवाना। बढ़ती गर्मी को देखते हुए शहर में जगह-जगह पर ठंडे पानी की छबील लगना शुरू हो गई है। क्योंकि गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है वहीं गर्मी को देखते हुए और बलिदानियों को याद करते हुए नरवाना के श्री गुरुद्वारा टिकाना बाबा बंदा सिंह बहादुर पंजाबी चौंक की और से ठन्डे पानी के शरबत की छबील लगाई गई। जिसमें ठन्डे शरबत से आने-जाने वाली साध संगत को प्रेम पूर्वक जल पीलाकर उनकी प्यास बुझाई। प्रधान चरण सिंह छाबड़ा ने कहा कि हमें शहीदों के बलिदान दिवस को हमेशा याद रखना चाहिए और उनको याद करते हुए ही आज ठन्डे पानी की छबील लगाकर ओर लोगों की प्यास बुझाने का शुभ एंव नेक कार्य किया है और सभी लोगों अपनी और से नेक कार्य करते रहना चाहिए। सेवादारों ने छबील सुबह 11 बजे शुरू किया और श्याम को करीब 2.30 बजे तक लगाई।

पेंशनरों की मांगों को जल्द पूरा करे सरकार

जींद। पुलिस लाइन में हरियाणा पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में हुई। पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों की मांगे जो सरकार द्वारा बार-बार मांग करने पर भी नहीं दी गई है, जो अब उम्मीद की गई है कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने पर इन मांगो बारे विचार किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि पुरानी पेंशन लागू की जाए। पैंशनरों की उम्र 65-70-75 होने पर 10-15-20 प्रयिशत की बढ़ोत्तरी की जाए। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। केंद्र सरकार व रा'य सरकार द्वारा कर्मचारियों व पैंशनरों का रोका गया 1.5 साल का मंहगाई भत्ते का एरियर सवारे्च्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले अनुसार दिया जाए।

मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति सौंपी

- मानव मित्र मंडल ने केएम राजकीय कॉलेज की छात्राओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। छात्रा को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

शैक्षणिक व सामाजिक क्षेत्र से जुडी शहर की संस्था मानव मित्र मंडल ने केएम राजकीय महाविद्यालय के दिवंगत प्रो. सीएल चुघ, प्रो एमएम शर्मा व हैड क्लर्क आरपी गाबा की स्मृति में तीन मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की। महाविद्यालय की प्राचार्या डाक्टर मीनू सिंह ने जानकारी देते बताया कि शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर बीएससी की छात्रा किरण, बीए की छात्रा अंशु व बीकॉम की छात्रा नैंसी को 5100 रूपये की छात्रवृत्ति व उपहार प्रदान किये गये। प्राचार्या ने संस्था संरक्षक दिनेश गोयल का धन्यवाद किया व संस्था का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मानव मित्र मंडल संस्था नरवाना में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है।

महिलाओं को नैट, सीटैट व एचटैट की परीक्षाओं की तैयारी करवाना तथा बच्चों का शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शन करना प्रमुख उद्देश्य है। संस्था ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सवांर्गीण विकास के लिए कुछ प्रस्ताव भी रखे जिन पर महाविद्यालय विचार कर उन्हें लागू करेगा। इस मौके पर संस्थान के कर्मचंद मित्तल,अनिल गर्ग, महावीर गुप्ता, संजय भारद्वाज, रोहताश शर्मा, रोबिन गर्ग एवं महाविद्यालय से प्रोफेसर लाल सिंह, ऊषा शर्मा, पूजा कांसल व राजेश श्योकंद इत्यादि मौजूद रहे।

बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय होना खिलाड़ियों की जीत

जींद। कार्यकारी सचिव कोसीगन ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय होने का समिति स्वागत करती है। यह पहलवान लड़कियों के संघर्ष की पहली जीत है। गौरतलब है कि छह महिलाओं की तरफ से यौन उत्पीड़न के मुकद्मे में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह और विश्व कुश्ती संघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ दिल्ली की कोर्ट में आरोप तय किए हैं। अदालत ने कहा है कि बृजभूषण शरण सिंह, विनोद के खिलाफ महिलाओं से अभद्र व्यवहार सहित अन्य धाराओंके तहत आरोप तय किए गए हैं। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय होना यौन हिंसा के खिलाफ संघर्ष में महिला पहलवानों की पहली जीत है। एफआईआर दर्ज करवाने से आरोप तय होने तक खिलाड़ी लड़कियों ने बहुत 'यादा प्रताड़ना झेली है। अपने कैरियर को दांव पर लगा कर महीनों लंबा आंदोलन लड़ा। भाजपा-आरएसएस की ट्रोलिंग आर्मी से क्रूर मानसिक उत्पीड़न झेला। सड़कों पर पुलिस उत्पीड़न झेला, देश की शान साक्षी मलिक को मजबूर होकर कुश्ती तक छोड़नी पड़ी थी।

सैकड़ों लोगों ने लगवाई बीसीजी वैक्सीन

- रोटरी क्लब नरवाना द्वारा लगाया गया नि:शुल्क बीसीजी शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। बीसीजी कैंप में वैक्सीन लगाती हुई महिला।

रोटरी क्लब नरवाना द्वारा सरकारी अस्पताल के विशेष सहयोग से टीबी जैसी खतरनाक बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए बीसीजी कैंप लगाया गया। जिसमें 18 वर्ष से अधिक के महिला एवं पुरुषों को टीवी की वैक्सीन लगाई गई। यह निशुल्क कैंप 22 पंथ जैन स्थानक पतराम नगर नरवाना में लगाया गया। कैंप में शहर के सैकड़ो लोगों द्वारा बीसीजी वैक्सीन लगवा कर इसका लाभ उठाया गया। इस कैंप का संचालन डॉ देवेन्द्र बिंदलिश व डॉक्टर कपिल शर्मा की टीम द्वारा बेहद सुनियोजित तरीके से किया गया। कैंप का शुभारंभ एसडीएम अनिल दुन ने किया । अनिल दुन ने इसे जनहित में एक बेहद सराहनीय कार्य बताया एवं रोटरी क्लब की बेहद सराहना की एवं प्रशासन द्वारा इस तरह के नेक कार्यों में सहयोग देने की बात कही। संस्था के प्रधान राजेंद्र बंसल ने एसडीएम अनिल दुनएएसएस जैन सभा नरवाना एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक मौजूद सभी सम्मानित नागरिकों का तहे दिल से धन्यवाद किया। सभी के सामूहिक प्रयास से कैंप बेहद सफल रहा। इस मौके पर संस्था के सदस्य अमित गोयल, योगेंद्र पाल, विकास गुप्ता, मनोज मित्तल, शशिकांत गर्ग, निखिल गर्ग, रूपक बंसल, प्रदीप गर्ग, प्रभात मित्तल, डॉ रजत गुप्ता सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जींद। कर्मचारियों की बैठक को संबोधित करते रिशि नैन। फोटो :हरिभूमि

वोट फॉर ओपीएस मुहिम चलाएंगे कर्मचारी

जींद। पेंशन बहाली समिति जिला कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को बैरागी धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान जोगेंद्र लोहान व महिला विंग प्रधान अनुराधा गुप्ता ने संयुक्त रूप से की और संचालन देवीलाल जुलानी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए रा'य अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल, महासचिव रिषि नैन, अनूप लाठर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को मजबूती से उठाने व वोट फॉर ओपीएस का प्रत्येक गांव व वार्ड स्तर पर सफल संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। पूरे देश के तमाम कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्षरत हैं। जिसके परिणाम स्वरूप हिमाचल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ व झारखंड में पुरानी पेंशन बहाल हो चुकी है। समिति बहुत पहले ही सरकार को चेता चुकी थी कि पेंशन नहीं तो, वोट नहीं। अब इसी मुद्दे को लेकर संघर्ष समिति कर्मचारियों के साथ-साथ आम जन व सामाजिक संगठनों तक जा रही है और पुरानी पेंशन के लिए आमजन से वोट की अपील कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने फैसला किया है कि जो राजनैतिक दल पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे के साथ हैं, हरियाणा के तमाम विभागों के कर्मचारी व उनके परिवार और रिश्तेदार उसी को समर्थन देंगे।

राजकीय वमावि रायचंदवाला का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

खुशी ने 474 अंक लेकर स्कूल में पाया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रायचंदवाला का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। इस विद्यालय में 32 छात्र व छात्राओं ने परीक्षा दी थी। सभी छात्र व छात्राएं सभी विषयों में उत्तीर्ण रहे। विद्यालय के 16 छात्र व छात्राओं ने मैरिट प्राप्त की। 14 छात्र व छात्राओं ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की और एक छात्र व छात्रा ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। विद्यालय की तीन छात्राओं खुशी, आरजू और कोमल ने राजनीति विज्ञान विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान खुशी पुत्री सुभाष ने 474/500 अंक लेकर प्राप्त किया। द्वितीय स्थान आरजु पुत्री सत्यवान ने 445/500 अंक लेकर प्राप्त किया और तृतीय स्थान पायल पुत्री पंकज ने 441/500 अंक लेकर प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाधार्या डा. अनिता श्योराण ने इस शानदार परीक्षा परिणाम के लिए पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि यह सब छात्र व छात्राओं और अध्यापकों द्वारा की गई कड़ी मेहनत से संभव हो पाया है।

जींद। वक्ताओं का स्वागत करते प्राचार्य सत्येंद्र त्रिपाठी। फोटो :हरिभूमि

सुप्रीम स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जींद। सुप्रीम स्कूल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य सतेंद्र त्रिपाठी की अगुवाई में किया। बताया कि स्ट्रेंथनिंग एसेसमेंट एंड इवैल्यूएशन प्रैक्टिस विषय पर लगाई गई कार्यशाला का संचालन सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन डा. बनी गोदारा, फ्रीलांसर हिसार तथा प्राचार्या किरण दलाल (ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यशाला के दौरान दोनों वक्ताओं ने असेस्मेंट साइकिल पर चर्चा की। इसके बाद शिक्षण के असेस्मेंट की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस दौरान अध्यापकों से कुछ गतिविधियां भी करवाई गई। जिसमें उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। जिसके तहत पोर्टफोलियो में विभिन्न गतिविधियों को जांच करने वाले पैरामीटर और उनके स्केल के बारे में समझा गया। कई प्रकार के सैंपल दिखाए गए। स्मार्ट के विभिन्न पहलुओं के बारे में समझा कर अध्यापकों से उसके अनुसार टेस्ट तैयार करवाया गया। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य सत्येंद्र त्रिपाठी और संस्था के लगभग 49 अध्यापक व अध्यापिका मौजूद रहे। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक, निदेशक शरत अत्री ने कार्यक्रम की सराहना की।

मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने चलाया अभियान

19 बुखार पीड़ितों के सैंपल लेकर लैबोरेट्री भेजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। रक्त के सैंपल लेते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

मच्छर जनित रोगों के अलावा गर्मी के मौसम में होने वाली डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी बीमारियों से निजात पाने के लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शनिवार को शहर की दर्जनभर कालोनियो में घर-घर जाकर लोगों को इन बीमारियों से बचाने के प्रति जागरूक करने का कार्य किया। स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा की अगुवाई में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने घर-घर जाकर लोगों को मच्छरजनित रोगों के अलावा गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव की जानकारी दी तथा निरोगी हरियाणा व अनिमियामुक्त भारत के तहत 65 से 'यादा से लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप, खून की कमी की जांच की। जिन लोगो को मधुमेह सामान्य से 'यादा पाया गया उनको नागरिक अस्पताल में जाकर समय पर इलाज लेने की सलाह दी और खून की कमी वाले लोगों को आयरन की गोलियां नियमित रूप से लेने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव हेतू पानी साफ करने वाली हेलोजन की गोलियां, जिंक की टेबलेट तथा ओआरएस भी वितरित किए और पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों ने 19 बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने भी लिए। स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति यदि थोड़ी सी सावधानी करके अपने घर तथा आसपास की सफाई करते हुए गड्ढों, खाली पडे.टायरों व गमलों आदि में गंदा पानी खड़ा न होने दे, पानी के बर्तनों को ढक कर रखे।

ये रहे मौजूद

बुखार होने पर तुरंत चिकित्सक से उपचार करवाएं। अभियान में मुख्य रूप से पवन कुमार, दिनेश, जगदीप, गुरनाम, मनफूल, अमरजीत, राजरानी सीता देवी, पूनम, दर्शना, अंजू, सुमन, राधा, उर्मिला, सविता, अश्मीना, सोनिया, शीला, मंजू, मुकेश, नीलम, रानी, सूरजमुखी, मुकेश कुमारी, आरती, सोनिया आदि शामिल रहे।

उचाना। कीर्तन में पहुंचे श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

नम्रता से बढ़ता है जीवन का मूल्य : अशोक शर्मा

उचाना। पुरानी मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन मंदिर में चल रहे भजन-कीर्तन में पुजारी अशोक शर्मा ने प्रवचन में श्रद्धालुओं को कहा कि विनय के अभाव में ही आज घरों में तनाव पैदा हो रहा है। नम्रता से जीवन का मूल्य बढ़ता है पर अहं कर्ता 'यादा है। अहंकारी का मूल्य नहीं बनता क्योंकि दूसरों को गिराना चाहता है व नम्रता इंसान को उठाती है। अहंकारी हमेशा हारता है जैसे रावण बाहुबली। पर विनम्र मानव हमेशा जीतता राम। अगर एक मन को झुका लिया तो दुनिया स्वतः ही झूक जाएगी। जहां नम्रता होती है वही पात्रता होती है। धर्म का मूल विनय है। आज विनय भाव का अकाल सा पड़ता जा रहा है। हजारों सालों से भगवान का समाज विनय से चल रहा है। याद रखना अहं हमेशा बाहर से आता है व विनय सदा अंदर से आती है। अभिमानी के लिए ज्ञान भी डूबोने का कारण बन जाता है। उन्होंने कहा कि विनय चार तरह से प्रकट होती है। कभी भी भूल को छिपाएं नहीं उसे स्वीकार करो, अगर कोई हमें हमारी गलती बताए बुरा न माने व उसे उलाहना न दे, अपनी विशेषता व योग्यता को गुप्त रखे, दूसरों की प्रशंसा सुनकर कभी भी ईर्ष्या न जगाएं। इन चारों प्रयोग से अहं टूटेगा जैसे एक पत्थर को तोड़ने के बाद उसे तराशते-तराशते भगवान का रूप धारण कर लेता है। ऐसे अहंकार टूटते ही वो इंसान भी भगवान का रूप धारण कर लेता है।

खबर संक्षेप

प्रकाशित सामग्री पर प्रतियों की संख्या अंकित हो : रजा

जींद। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रचार सामग्री का प्रकाशन करने के लिए पोस्टर या पंपलेट पर प्रकाशन करने वाले का नाम, प्रकाशन करवाने वाले का नाम तथा प्रतियों की संख्या छपी होनी चाहिए। उल्लंघना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कारवाई अमल में लाई जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से चुनाव खर्च के विवरण पर पूरी निगरानी रखी जा रही है।

दिव्यांगों का सरकार उत्थान करें : प्रदीप

पूंडरी। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी सदस्य एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास समर्थक प्रदीप कुमार चौधरी ने कहा कि दिव्यांग लोगों की अनदेखी करने की बजाए सरकार उनके उत्थान व कल्याण के बारे में जमीनी स्तर पर कार्य करें। आज दिव्यांग लोग अपने हकों व रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे है, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिस कारण दिव्यांग लोगों में सरकार के प्रति भारी रोष है।

पूर्व विधायक सतविंद्र ने थामा हाथ का साथ

राजौंद । राजौंद से दो बार विधायक रहे सतविंद्र राणा ने शनिवार को कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में पका पहनकर उनका कांग्रेस में स्वागत किया। कैथल के कलायत हलका से 2019 में कलायत से जजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुके एवं राजौंद के पूर्व विधायक सतविंद्र राणा ने अभी हाल में ही 4 अप्रैल को जेजेपी छोड़ी थी। सतविंद्र राणा चार साल पहले वर्ष 2019 में कांग्रेस से जजपा में शामिल हुए थे।

डॉ. सुशील गुप्ता की गुहला में चुनावी यात्रा

गुहला-चीका। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कुरुक्षेत्र लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने शनिवार को गुहला चीका के गांवों में चुनावी यात्रा निकाली। उन्होंने गांव सैर से कार्यक्रमों की शुरूआत की। इसके बाद खरकड़ा, मस्तगढ़, थेह बुटाना होते हुए लालपुर और नंदगढ़ में यात्रा का समापन हुआ।

हैंडबुक को ध्यान से पढ़ लें, किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आए

चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करवाना सबकी जिम्मेदारीः चावरे

चुनाव में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया हैंड ऑन प्रशिक्षण, ईवीएम व वीवीपैट संचालन की दी बारीकी से जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते।

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने कहा कि पीओ, एपीओ, सैक्टर ऑफिसर, पोलिंग ऑफिसर सहित अन्य पोलिंग स्टाफ ट्रेनिंग के दौरान चुनाव संबंधित सभी शंकाओं को दूर कर लें। चुनाव आयोग द्वारा दी गई हैंडबुक को ध्यान से पढ़ लें, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आए। हमें चुनाव आयोग की हिदायतों का पालन करते हुए चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांति पूर्ण संपन्न करवाना है।

जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे शनिवार को आईजी कॉलेज के कॉमन हॉल व आरकेएसडी स्कूल के हॉल में दिए जा रहे प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर उनके साथ डीसी प्रशांत पंवार भी मौजूद रहे। जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने कहा कि चुनाव में लगे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों निष्पक्ष रहते हुए कार्य करना है। सैक्टर ऑफिसर को निर्देश दिए कि फिल्ड में जाकर अपने-अपने पोलिंग केंद्रों का फिर से दौरा कर लें। वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। इसके अलावा अपने अधीन आने वाले बूथों का रूट प्लान बना लें, ताकि जरूरत पड़ने पर वहां पर समय पर पहुंचा जा सके। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें। चुनाव के कार्य में कोई भी लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी, इसलिए चुनाव की हिदायतानुसार तैयारी पूरी रखें। आगामी 25 मई को मतदान के दिन बेहत्तर परफोरमेंस दें। एडीसी सी.जया श्रद्धा ने कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि मतदान सुबह सात बजे शुरू हो जाना चाहिए। इसलिए अपनी मॉक पोल की प्रक्रिया सुबह 5:30 बजे से शुरू कर दें और इसे राजनीतिक पार्टियों के एजेंटों की उपस्थिति में करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। इस समय कुछ मतदाता कतार में लगे हुए हैं तो उनको लाइन में पीछे खड़े मतदाता को पर्ची क्रमांक एक से शुरू कर पहले व्यक्ति तक पर्ची नंबर बांट दें, जिससे कि और मतदाता लाइन में लगकर खड़े ना हों सकें। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मतदान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की प्रचार-सामग्री नहीं होनी चाहिए। मास्टर ट्रेनरों द्वारा बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट तथा वीवीपैट के बारे में गहनता से जानकारी दी गई तथा उन्हें संबंधित फार्म के बारे में बताया। मतदान केंद्र पर लगाई जाने वाली मेजों तथा एजेंटों के बैठने की भी व्यवस्था को लेकर भी संबंधित जानकारी भी दी गई।

इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार, एडीसी एवं पूंडरी विधानसभा क्षेत्र की एआरओ सी.जया श्रद्धा, एसडीएम एवं कैथल विधानसभा क्षेत्र के एआरओ सुशील कुमार, एसडीएम एवं गुहला विधानभा क्षेत्र के एआरओ कृष्ण कुमार, एसडीएम एवं कलायत विधानसभा क्षेत्र के एआरओ सत्यवान सिंह मान, चुनाव नायब तहसीलदार सुभाष सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सभी मतदान केंद्रों पर हो सभी मूलभूत सुविधाएं

कैथल। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर चुनाव आयोग की हिदायत अनुसार बिजली,पानी,रैंप,व्हील चेयर व अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। इसके अतिरिक्त हीट वेव से बचाव हेतु छाया के लिए टैंट, ओआरएस घोल आदि की भी व्यवस्था की जाए। इन सभी मतदान केंद्रों पर लोकसभा आम चुनाव को लेकर मतदान आगामी 25 मई को होगा। जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे शनिवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा करने के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। इस मौके पर उनके साथ जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार मौजूद रहे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने चंदाना गेट स्थित सैनी धर्मशाला, आईटीआई तथा गांव उझाना में बनाए गए मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने कहा कि सुपरवाइजर/सेक्टर अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के बूथों पर पहुंचने के लिए छोटे से छोटे रूट की जानकारी रखें जिससे जरूरत पड़ने पर कम से कम समय में बूथों पर पहुंचा जा सके। अगर किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो उन्हें तुरंत दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग वोटरों की सुविधा के लिए विशेष रूप से व्हीलचेयर एवं वॉलिंटियर्स की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा रैंप भी पूरी तरह से सुविधा जनक होने चाहिए। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि जिला में 386 लोकेशन पर 807 मतदान केंद्र हैं, जिनमें से 619 ग्रामीण क्षेत्र में तथा 188 शहरी क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं। सभी बूथों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करवाई गई है।

डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने किया मतगणना केंद्रों का निरीक्षण

कैथल। जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे मतगणना केंद्रों का निरीक्षण करते ।

कैथल। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने शनिवार को आईजी कॉलेज व आरकेएसडी कॉलेज व आरकेएसडी स्कूल में स्थापित ईवीएम के स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्रों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनरल ऑब्जर्वर के निरीक्षण दौरे में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार तथा संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के एआरओ मौजूद रहे। कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. माधवी खोड़े चावरे ने ईवीएम और वीवीपैट के भंडारण, प्रेषण, स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था आदि की जानकारी ली तथा ईवीएम मशीनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रांग रूम को अच्छी तरह देखा। साथ ही यहां परिसर की बैरिकेडिंग को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई। इसी प्रकार ऑब्जर्वर ने जिला की चारों विधानसभा कैथल, कलायत, पूंडरी व गुहला के लिए चिन्हित मतगणना केंद्रों का निरीक्षण कर वहां 4 जून को होने वाली मतगणना के दिन की जानी वाली व्यवस्था के बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि स्ट्रांग रूम क्षेत्र में बिना अनुमति और पास के कोई भी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेगा। उन्होंने सभी एआरओ को निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम में स्ट्रांग रूम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की निरन्तर मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि स्ट्रांग रूम में कोई भी व्यक्ति मोबाइल अंदर न लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि स्ट्रोंग की पूरी व्यवस्था में जरा सी भी चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मतदान करवाने के लिए ईवीएम डिस्ट्रीब्यूशन और मतदान के बाद ईवीएम जमा किए जाने की व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार व्यवस्थित ढंग से होना चाहिए। इसके लिए ड्यूटी में नियुक्त प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेवार है। निरीक्षण दौरे में डीसी प्रशांत पंवार ने जनरल ऑब्जर्वर को स्ट्रांग रूम में किए गए प्रबंधों से अवगत करवाते हुए कहा कि चुनाव आयोग की हिदायता अनुसार पूरी व्यवस्था की गई है। पूंडरी व गुहला विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र आईजी कॉलेज की अलग-अलग भवन में बनाए गए हैं, वहीं कैथल विधानसभा क्षेत्र का स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र आरकेएसडी कॉलेज में बनाया गया है। इसी प्रकार कलायत विधानसभा का स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र आरकेएसडी स्कूल में बनाया गया है। इन स्थानों पर सुरक्षात्मक दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों, सिक्योरिटी फोर्स के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ ही स्ट्रांग रूम का लॉक खोलने की पूरी वीडियोग्राफी करवाई जा रही है। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार, एडीसी एवं पूंडरी विधानसभा क्षेत्र की एआरओ सी.जया श्रद्धा, एसडीएम एवं कैथल विधानसभा क्षेत्र के एआरओ सुशील कुमार, एसडीएम एवं गुहला विधानभा क्षेत्र के एआरओ कृष्ण कुमार, एसडीएम एवं कलायत विधानसभा क्षेत्र के एआरओ सत्यवान सिंह मान, चुनाव नायब तहसीलदार सुभाष सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्वेता रॉयल स्कूल में उत्साह से मनाया गया मातृत्व दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पूंडरी

पूंडरी। सहगामी गतिविधियों में भाग लेते श्वेता रायल स्कूल के बच्चे।

कैथल-करनाल मार्ग पर स्थित श्वेता रॉयल सीनियर सैकेंडरी पब्लिक स्कूल फतेहपुर-पूंडरी में मातृ दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में रंग भरो, चार्ट बनाना, कार्ड बनाना, कविता वाचन, भाषण, स्लोगन लेखन आदि सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक दीपक वालिया ने इस पावन दिवस की सभी नौनिहालों को हार्दिक बधाई दी और सभी बच्चों को इस दिवस के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि प्राचीन समय से भारतीय संस्कृति में मां के रिश्तो को सभी रिश्तों से सवार्ऽपरि बताया हैं। मां ही किसी बच्चे की अंतिम पूंजी होती है और साक्षात भगवान का प्रतिरूप हैं। आज इस दिवस के माध्यम से हम सभी अपनी मां के द्वारा दिए गए संस्कारों को भविष्य में संजोए रखेंगे और मां जैसे रिश्ते की गरिमा बनाए रखेंगे।

ग्रामीणों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

■ पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी

कैथल। खिलाड़ियों को सम्मानित करते पदाधिकारी।

पुलिस टीम द्वारा आए दिन कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम तहत नशा जागरूकता टीम में शामिल एचसी सुनील कुमार की टीम द्वारा गांव रसीना में सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता दौरान खिलाड़ियों व ग्रामीणों को नशा ना करने बारे जागरूक किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया की इस दौरान एचसी सुनील कुमार द्वारा बताया गया की खेल व्यक्ति के जीवन का अभिन्न अंग है। कोई भी खेल हमें शारीरिक, मानसिक रूप से मजबूत बनाता है तथा नशा जैसी बुराई से हमें बचाता है। अगर आज युवा वर्ग का सबसे बडा शत्रु है तो वह नशा है। जिस प्रकार हम हर क्षेत्र में अपने शत्रु को मात देना चाहते है उसी प्रकार हमें इस नशे रुप जहरीली सांप को कुचल कर अपने करियर को बुलंदियों पर लाना होगा नहीं तो नशा हमारी आने वाली पीढ़ियों का भी नाश कर देगा।

प्रत्येक गांव को चाहिए कि समय समय पर गांवों में खेलों की प्रतियोगिताएं करवाए ताकि बच्चे युवा वर्ग का ध्यान खेलों की तरफ हो। युवा वर्ग से अपील की कि समाज व खुद के विकास के लिए नशे की जड़ को काटना पड़ेगा तभी जाकर हमारा समाज साफ सुथरा व स्वस्थ होगा। आमजन युवा वर्ग इस नशा रुपी जहरीली सांप को मिटाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। नशा तस्करों की सूचना पुलिस को दे।

चुनाव आयोग के निर्देशों को ठेंगा दिखा राजनीतिक दल कर रहे प्रचार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नरवाना

लोकसभा प्रत्याशी एवं राजनीतिक पार्टियां अपने चुनाव प्रचार में चुनाव आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की अवहेलना करते अक्सर नजर आ रहे है। जैसा कि गत 3 मई को जींद के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त इमरान रजा ने कहा था कि लोकसभा आम चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों व राजनीतिक पार्टियों को चुनाव प्रचार के समय रोड शो और रैलियों के लिए चुनाव आयोग के जारी दिशा-निर्देशों की पालना आवश्यक करनी होगी।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि चुनाव प्रचार के लिए दोपहिया वाहनों का उपयोग यातायात नियमों के अनुसार ही करना होगा। सुरक्षा वाहन को छोड़कर 10 से ज्यादा वाहनों के काफिले के चलने की अनुमति नहीं होगी। रोड शो के समय आधी सड़क पर आवाजाही की अनुमति होगी। रोड शो में पशुओं व बच्चों को शामिल करने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध होगा। लेकिन सिरसा आरक्षित नरवाना विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेशों के उलट होता दिखाई दे रहा है। लोकसभा प्रत्याशी यहां रोड शो करते समय सैंकड़ों की संख्या में गाडियों के काफिले के साथ गांव-गांव में अपना शक्ति प्रदर्शन करते नजर आते है। इतना ही नही जब ये काफिला किसी भी गांव में घुसता है तो काफिले में चल रही गाडियों में लगे अवैध शायर्ण हूटर की आवाज से पूरा गांव गूंज उठता है। वही बात अगर सड़क पर आवाजाही की आती हैं तो वहां भी रोड शो में चल रही गाडियां पूरी की पूरी सड़क कब्जा लेती है।

जरूरतमंद कन्या की शादी करवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। नवदंपत्ति को आशीर्वाद देते रविभूषण गर्ग व अन्य पदाधिकारी।

श्री सनातन धर्म सभा कैथल द्वारा शनिवार को श्री सनातन धर्म मंदिर प्रांगण में एक गरीब कन्या का विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सभा के प्रधान रविभूषण गर्ग थे। सभा के प्रधान व अन्य गणमान्य अतिथियों ने नवदंपत्ति कोमल निवासी प्योदा रोड कैथल तथा मक्खन सिंह निवासी खनौरी मंडी को आशीर्वा दिया। गर्ग ने कहा कि गरीब की सेवा करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। सभा द्वारा समय समय पर ऐसे सामाजिक कार्यों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि सभा द्वारा सदस्यों व नगरवासियों के सहयोग से अब तक करीब 264 से अधिक गरीब कन्याओं की शादी करवाई जा चुकी है। शादी में सभा द्वारा वधु को सभी जरूरत का सामान पेटी, कुर्सी, मेज, पंखा, सिलाई मशीन, बर्तन, 15 सूट, जेवरात व अन्य सामान दिया गया। इसके अलावा बारात के लिए खाने का प्रबंध भी किया गया। दोनों परिवार के लोगों सभा द्वारा करवाए गए आयोजन के लिए उनका आभार जताया। इस अवसर पर सभा के उपप्रधान वीरेंद्र मोर, रघुबीर चंद गर्ग, सज्जन कुमार, श्याम सुंदर बंसल, जगदीश गुप्ता, पंडित लज्जा राम, रोहताश राणा, विनोद कुमार, राम स्वरूप, मुखत्यार सिंह, गौतम बंसल, मोनिका बंसल आदि उपस्थित थे।

एटीएम फ्रॉड से बचने के लिए पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

■ सतर्क व सचेत रहकर अपने पैसे की करें सुरक्षा: एसपी उपासना

एसपी उपासना

एसपी उपासना ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि एटीएम कक्ष से नकदी निकालते समय एटीएम कोड की किसी भी व्यक्ति को जानकारी न होने दें। एटीएम मशीन पर कोड लगाते समय दूसरे हाथ द्वारा अपने हाथ के ऊपर आड करके सुरक्षा कवच बनाए ताकी कोई व्यक्ति कोड का अंदाजा न लगा सके। किसी भी अपरिचित व अंजान व्यक्ति की कोई मदद ना लेकर जागरूकता का परिचय देते हुए समुचित सावधानी बरतें। एटीएम से पैसे निकालते समय उपभोक्ता ध्यान दें कि एटीएम मशीन पर कोई अतिरिक्त उपकरण या डिवाईस नहीं लगा हो। अति आवश्यक होने पर किसी अनजान व्यक्ति से मदद ना लेकर एटीएम पर तैनात बैंक कर्मचारी की ही सहायता लें। एटीएम फ्रॉड से बचने के लिए उपभोक्ता अपने मोबाईल फोन पर आए ओटीपी नंबर को किसी के साथ सांझा ना करें। एसपी ने उन सभी डेबिट, क्रेडिट व एटीएम कार्ड धारकों व नेट बैंकिंग करने वाले ग्राहकों को आगाह करते हुए कहा कि वे अपना कार्ड किसी के हाथ में ना दें, साथ ही खरीददारी के वक्त खुद के सामने ही कार्ड स्वाइप करें। हर तीन महीने में स्टेटमेंट चैक करें, कार्ड के जरिए पेमेंट सिर्फ एचटीटीपीएस वेबसाइट पर ही करें।

न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया

6709 लंबित मामलों में से 4549 का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्षा एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश रितु वाई. के. बहल को देखरेख में 11 मई 2024 (शनिवार) को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश डा. नन्दिता कौशिक, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं प्रधान न्यायाधीश परिवारिक न्यायालय देवन्द्र सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमन इन्द्र सिंह, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सिनियर डिवीजन) अजय कुमार , सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) तुषार कुमार , अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सिनियर डिवीजन) गुहला डिविजन अक्षय चौधरी की बैंच गठित की गई थी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रीतू ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 6709 लंबित मामलों को रखा गया था, जिसमें से 4549 मामलों का निपटारा किया गया। कुल मुबलिक 9 करोड़ 42 लाख 22 हजार 76 रुपये की राशि के विभिन्न अपराधिक, एन आई एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन, श्रम से संबंधित विवाद मामले, राजस्व मामले अन्य मामलों का इस लोक अदालत से निपटारा किया गया है।

शीघ्र व सस्ते न्याय का स्त्रोत

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि लोक अदालत एक ऐसी अदालत है, जिसमें मामलों (विवादों) का निपटारा पक्षकारों की पारस्पारिक सहमति से किया जाता है, इसमें न किसी पक्षकार की जीत होती न हार। दोनों पक्षों में पुनः स्नेह, सौहार्द एवं बन्धुत्व का भाव उत्पन्न हो जाता है। लोक अदालत की विशेषता है कि यह शीघ्र व सस्ते न्याय का स्त्रोत है। इसे जनता की अदालत भी कहा जाता है। लोक अदालत की विशेषता है कि इसमें कोई न्यायालय शुल्क नहीं है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर इसे वापिस कर दिया जाता है।

केजरीवाल को जमानत मिलने पर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने तथा यौन हिंसा आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण पर आरोप तय होने का स्वागत करती है। प्रैस बयान जारी करते राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड़ प्रेम चंद ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के अरविंद केजरीवाल को जमानत देने इस फैसले ने प्रवर्तन निदेशालय और भाजपा सरकार के नापाक इरादों को उजागर कर दिया है। भाजपा ने विपक्ष को कमजोर करने और अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव के प्रचार में भाग लेने से रोकने के लिए गिरफ्तारी जो हथकंडा अपनाया उसे अदालत ने विफल कर दिया है।

माकपा बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय करने के अदालत के फैसले का भी स्वागत करती है। यह फैसला पहलवानों बेटियों के संघर्षों की जीत है। अदालत ने इस फैसले ने भाजपा-आरएसएस के महिला विरोधी चेहरे को उघाड़ कर रख दिया है। भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में यौन हिंसा के अनगिनत अपराधियों को बचाने का काम किया है। माकपा जनता से अपील करती है कि इन लोकसभा चुनावों में जनविरोधी भाजपा को सबक सिखाएं।

सूचना

मैं, कनिष्क पुत्र श्री अजय सिगंरोहा निवासी मकान नंबर 2130 अर्बन अस्टैट वार्ड नंबर 20, जींद, तहसील व जिला जींद बयान करता हूं कि मेरे आधार कार्ड, 10वीं व 12वीं कक्षा के प्रमाण पत्र, पैन कार्ड में मेरा नाम कनिष्क दर्ज है जब कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम कनिष्क सिगंरोहा लिखा गया है। अब मैंने अपना नाम कनिष्क सिगंरोहा के स्थान पर कनिष्क रख लिया है अतः भविष्य में मुझे कनिष्क के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मैं, कृष्णा कुमारी पुत्री पौंहकर निवासी गांव टूभेटा तहसील गोहाना जिला सोनीपत बयान करती हूं कि पहले मेरे को कृष्णा देवी के नाम से जाना जाता था। अब मैंने अपने नाम को बदलकर के कृष्णा कुमारी कर लिया है। भविष्य में मुझे कृष्णा कुमारी के नाम से जाना व पहचाना जाए।

खबर संक्षेप

जींद। डाली गई पोस्ट।

अनिल विज के कांग्रेस में शामिल होने की झूठ पोस्ट

जींद। भाजपा के जिला प्रधान राजू मोर ने पूर्व गृहमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल विज के कांग्रेस में शामिल होने की झूठी पोस्ट डालने पर साइबर थाना पुलिस को शिकायत दी है। भाजपा के जिला प्रधान राजू मोर ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल विज के खिलाफ फेसबुक पर आपत्ति जनक टिप्पणी की है। इस पोस्ट में लिखा है कि अनिल विज कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और उन्होंने अपना समर्थन कांग्रेस को दे दिया है। भाजपा ने इस पर सख्त एतराज जताते हुए साइबर थाना पुलिस को शिकायत दी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कबड्डी टीम का चयन कल : राजू ढुल

पूंडरी। कबड्डी विकास समिति कैथल के चेयरमैन राजु ढुल पाई ने बताया कि जिला कैथल सब जुनियर कबड्डी टीम का चयन 13 मई को 4:30 बजे गांव पाई में किया जाएगा। वहीं कबड्डी विकास समिति के महासचिव मनोज दलाल व प्रधान सुमित चहल ने बताया कि चयनित टीम हरियाणा राज्य स्तरीय सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता बालक/बालिका गांव अटाव्ला टोला (पानीपत)17 व18 मई में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी।

समिति के कोषाध्यक्ष अनिल दलाल ने बताया कि खिलाड़ी 2 पासपोर्ट साइज फोटो व आधार कार्ड साथ लेकर आए, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

शराब के नशे में चालक ई-रिक्शा को ले उड़े चोर

जींद। किराये पर ली गई ई-रिक्शा का चालक शराब के नशे में धुत्त था। पीछे से चोर ई-रिक्शा को चोरी कर ले गया। शहर थाना पुलिस ने ई-रिक्शा मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जवाहर नगर निवासी सुरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी ई-रिक्शा जोगेंद्र नगर के जयसिंह को किराये पर दी हुई थी। जयसिंह ई-रिक्शा लेकर रोहतक रोड पर गया हुआ था। जहां पर उसने शराब पी ली। जिसका फायदा उठा कर कोई ई-रिक्शा को चोरी कर ले गया।

युवती संदिग्ध हालात में गायब, मामला दर्ज

जींद। युवती के संदिग्ध हालत में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर थाना इलाके की एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 23 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

डेगूं की जांच को लेकर लैब के लिए 600 रुपये निर्धारित : डॉ. ढांडा

जिले में डेंगू ने दे दी दस्तक, 17 वर्षीय युवक मिला पॉजिटिव

- पिछले कई दिनों से बुखार से पीड़ित था युवक
- पिछले वर्ष आए थे डेंगू के 420 मामले सामने, अब तक एक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में डेंगू ने दस्तक दे दी है। नागरिक अस्पताल में बुटानी गांव निवासी 17 वर्षीय युवक की जांच रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग ने युवक के परिजनों के खून के सैंपल भी लिए हैं और उसके घर फॉगिंग करवा दी है। स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। गत वर्ष जींद में 420 डेंगू के मामले सामने आए थे।

जींद। रक्त के सैंपल लेते हुए स्वास्थ्यकर्मी व पानी में लार्वा की जांच करते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

जांच के 600 से अधिक नहीं ले सकते निजी लैब संचालक

स्वास्थ्य विभाग ने निजी लैब से जांच करवाने के लिए 600 रुपये की फीस निर्धारित की है। यदि कोई लैब संचालक 600 रुपये से अधिक लेता है तो स्वास्थ्य विभाग उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है।

युवक को कई दिन से बुखार था

डिप्टी सिविल सर्जन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डा. विजेंद्र ढांडा ने बताया कि गांव बुटानी निवासी 17 वर्षीय युवक को कई दिन से बुखार था। उसकी जब डेंगू जांच करवाई गई तो यह पॉजिटिव आई है। फिलहाल युवक की हालत में सुधार है। उसके अन्य परिवार के लोगों की भी जांच करवाई जा रही है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने युवक के मकान में जांच की तथा परिवार के लोगों को जागरूक किया है। वहीं पूरे बुटानी गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

पिछले वर्ष आए थे डेंगू के 420 मामले

वर्ष 2022 में जिले में मलेरिया का तो कोई मामला सामने नहीं आया था लेकिन डेंगू के 535 मामले सामने आए थे। 2021 में जिले में 622 मामले सामने आए थे। वहीं 2022 में चिकनगुनिया के भी दो मामले आए थे। वर्ष 2023 में डेंगू के 420 मामले सामने आए थे। इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग का प्रयास कर रहा है कि इतनी संख्या में डेंगू के मामले नहीं आ पाएं और समय से पहले ही लोगों को जागरूक करें इन मामलों पर रोक लगाई जाए। फिलहाल 2024 में एक मामला सामने आया है।

लिए जा रहे खून के सैंपल

स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर दस्तक दे रही हैं। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बुखार से पीड़ित लोगों के खून के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। बाकायदा घर-घर जाकर लोगों को डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए जागरूक करते हुए पोस्टर आदि भी वितरित किए जा रहे हैं। डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 200 से अधिक टीमें बना कर मैदान में उतार दी हैं। यह टीमें घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रही हैं। इसके अलावा बुखार पीड़ित लोगों की स्लाइड बना कर रक्त की जांच भी की जा रही है। स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि टीम सदस्य लोगों को अपने घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने के लिए भी जागरूक कर रही हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने निजी लैब से डेंगू की जांच के लिए 600 रुपये का रेट निर्धारित किया है। नागरिक अस्पताल में यह जांच मुफ्त में होती है। निजी लैब संचालक डेंगू की जांच कार्ड से करते हैं। कार्ड द्वारा जो परिणाम आता है, वह बहुत कम विश्वसनीय होता है। स्वास्थ्य विभाग इस कार्ड की रिपोर्ट को मान्यता भी नहीं देता है। नागरिक अस्पताल में एलीजा मशीन से जांच की जाती है, जिसकी रिपोर्ट शत-प्रतिशत सही होती है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग निजी अस्पताल द्वारा डेंगू बताए जाने के बाद खुद अपने यहां जांच करवाता है और उसी रिपोर्ट के आधार पर केसों की गिनती होती है। बीमार लोगों को निजी लैबों की बजाय सरकारी अस्पतालों में जांच करवाने में ही फायदा होता है।

डेगूं की जांच 600 रुपये निर्धारित

डिप्टी सीएमओ मलेरिया डा. बिजेंद्र ढांडा ने बताया कि फिलहाल डेंगू का एक मामला सामने आया है। डेगूं की जांच को लेकर लैब के लिए 600 रुपये निर्धारित हैं। किसी भी लैब या अस्पताल ने इससे अधिक राशि ली तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग में डेंगू व मलेरिया की जांच मुफ्त की जाती है।

जींद। नई कार्यकारिणी का स्वागत करते रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

भनवाला फिर बने रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन के प्रधान

- जाट धर्मशाला में हुआ नई कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन की बैठक शनिवार को जाट धर्मशाला में हुई। बैठक में नई कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इसमें सर्वसम्मति से किताब सिंह भनवाला को फिर से एसोसिएशन का जिला प्रधान नियुक्त किया गया। बैठक में सबसे पहले एसोसिएशन सदस्य रामस्वरूप ललितखेड़ा, राजेंद्र उचाना व ईश्वर सिंह ढांडा की माता के निधन पर दो मिनट का मोन रखा गया। इसके बाद पिछली कार्यकारिणी ने इस्तीफा दिया और आय-व्यय का ब्यौरा रखा गया। बैठक की अध्यक्षता चंदन राम शर्मा ने की। मिया सिंह खटकड़ व प्यारेलाल देशवाल ने चुनावी पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। कार्यकारिणी के इस्तीफे के बाद चुनावी पर्यवेक्षकों ने नई कार्यकारिणी के गठन की चुनावी प्रक्रिया शुरू की। सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से किताब सिंह भनवाला को दोबारा प्रधान, खजान सिंह खटकड़ को वरिष्ठ उप प्रधान, कुलदीप सिंह गोयत को महासचिव, शमशेर सिंह ढांडा को कोषाध्यक्ष, सत्यपाल सिंह रेढू को संयुक्त सचिव, जगदीश पांचाल को प्रेस सचिव और रामचंद्र शास्त्री को सलाहकार चुना गया। पृथ्वी सिंह मोर द्वारा नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया और पद की शपथ दिलाई गई। शेष कार्यकारिणी के गठन का अधिकार प्रधान व महासचिव को दिया गया। इस अवसर पर ओमसिंह सांगवान, खजान सिंह रामराय, करण सिंह मलिक, बाबूराम सिहाग, रोशनलाल सिंगला, जय सिंह धनखड़, फतेह सिंह, आजाद सिंह कुंडू, सत्यनारायण वर्मा, कलम सिंह ढुल, शीशपाल लोहान, महावीर सिवाच, शमशेर नैन, ईश्वर नैन, नरेंद्र कुंडू, सत्यप्रकाश सिंगला, जयसिंह कटारिया, भीम सिंह, धर्मपाल ग्रोवर, मांगेराम, रामफल रेढू, उमेद सिंह ढांडा, उदय सिंह संधु, महावीर कुंडू, महावीर मलिक, गुरुदेव, तेलू राम, धर्मवीर रेढू, राज सिंह, जयपाल, राजवीर सिंह भाटी, आदि ने भाग लिया।

कॉलेज बनाओ सीवरेज हटाओ समिति का धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

कॉलेज बनाओ सीवरेज हटाओ धरने के 107वें दिन जारी रहा। धरने में संघर्ष समिति के सदस्यों ने फैसला लिया कि वह राजौंद में भाजपा का कार्यालय नहीं खुलने दिया जाएगा। संघर्ष समिति के सदस्य राकेश राणा, काका राणा ने कहा कि राजौंद में भाजपा के किसी भी नेता को नहीं आने देंगे साथ ही साथ भाजपा के चुनाव प्रचार वाहन को नहीं घुसने देंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा से हमारा दूर-दूर तक कोई नाता नहीं रहेगा बल्कि भाजपा को हराकर दूसरी सरकार बना कर उनसे ही कॉलेज बनवाया जाएगा। इसके लिए वह अगले 5 से 6 महीने धरने पर डटे रहेंगे। उन्होंने बताया कि 12 मई से 14 मई तक राजौंद की गलियों में काला झंडा यात्रा निकाली जाएगी। 15 मई को समिति और शहर के लोगों की एक मीटिंग की जाएगी। श्याम राणा, सिंधा राणा, सुरेश राणा कर्मवीर राणा, बिंदा शर्मा, नरेंद्र प्रजापत, किरणपाल आर्य, नरेश आदि मौजूद रहे।

बीज की कालाबाजारी हो बदं, भाकियू करेगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

भारतीय किसान यूनियन (मान) की हल्का स्तरीय बैठक किसान भवन पुंडरी मे ब्लॉक प्रधान जोगिंदर जाजनपूर की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। बैठक में युवा भाकियू प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ने विशेष तौर पर भाग लिया। बैठक का संचालन युवा ढांड मंडल प्रदान गुरमीत पंवार ने किया। बैठक के बाद युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य की अगुवाई मे किसानो ने धान के बीज की कालाबजारी के विरोध मे सरकार व कृषि विभाग के उच्चाधिकारियो के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रोष जताया। किसानो ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही बीज की कालाबजारी नही रोकी गई तो भाकियू कृषि विभाग के कार्यालय पर प्रदर्शन करेगी। युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ने कहा कि सरकार व कृषि विभाग की घोर लापरवाही के चलते धान के बीज 7501 व 7301 की सरेआम कालाबाजारी हो रही है। जिसको लेकर भाकियू (मान) कई बार प्रशासन व कृषि विभाग के अधिकारियो को अवगत करवा चुकी है,लेकिन इसके बावजूद भी ब्लैक पर कोई रोक नहीं लगी है। इससे साफ जाहिर होता है कि कालाबजारी संबधित विभाग की देखरेख मे हो रही है। जहा किसानों को धान के बीज से वंचित किया जा रहा है तो वही किसान, महिलाएं व युवा 41 डिग्री के तापमान में, गला सुखाने व सिर में दर्द करने वाली हीट वेव का प्रकोप में घंटों लाइनों में लगना पड रहा है। उसके बाद भी उन्हें पीआर धान का बीज नसीब नहीं हो रहा है लेकिन भाजपा सरकार को किसानो महिलाओं व युवाओं के हितों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार की तानाशाही देखिए कि पुलिस के पहरे के बीच एक किसान को आधार कार्ड दिखाने पर बीज की 3 किलो की एक थैली ही दी जा रही है।

ढांड। बीज न मिलने पर नारेबाजी करते भाकियू नेता। फोटो :हरिभूमि

तंबाकू मुक्त हरियाणा पर विद्यार्थियों ने निकाली रैली

पूंडरी। डीएवी कालेज पूंडरी में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार ड्रग्स व तंबाकू मुक्त जागरूकता संबंधित विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डा. विश्वजीत सिंह ने 105 विद्यार्थियो को ड्रग्स व तंबाकू मुक्त हरियाणा की शपथ दिलाई गई तथा शहर में ड्रग्स व तंबाकू मुक्त हरियाणा पर एक रैली निकाली गई। कार्यक्रम अधिकारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कैथल जिले के उपायुक्त महोदय प्रंशात कुमार के द्वारा ड्रग्स व तंबाकू मुक्त अभियान चलाया जा रहा है, ताकि जिले को नशा मुक्त बनाया जा सकें।

नाकाबंदी कर वाहनों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

25 मई को हरियाणा में होने वाले लोकसभा चुनाव को घटना मुक्त व भय रहित वातावरण में संपन्न करवाने के लिए जिला में पैरामिलिट्री फोर्स व स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर नाकाबंदी करते हुए वाहनों की जांच गहन जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता प्रवीण श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। एसपी उपासना के दिशा निर्देश में जिला पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत लालच व भय रहित वातावरण में स्वेच्छानुसार मतदान सुनिश्चित करने हेतु शराब तस्करों तथा अवैध शराब खुर्दो के खिलाफ निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

कैथल। वाहनों की जांच करती पैरामिलिट्री फोर्स की जवान।

जिला में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर जांच की व्यवस्था की गई थी।

नाकाबंदी के दौरान टू व्हीलर, फोर व्हीलर, हल्के वाहन व भारी वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। जिला पुलिस द्वारा जहां जिले के अंदर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं वहीं जिला के साथ लगती अन्य राज्यों की सीमा पर भी पुलिस ने पूरी तरह से चौकसी बढ़ा दी है। जिला में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति व वाहन को बारीकी से चेक किया जा रहा है तथा संदिग्ध किस्म के लोगों पर पैनी नजर रखी जा रही है। एसपी उपासना ने जिला के सभी पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

ईंटों से भरी ट्राली की धुरा टूटने से मार्ग पर वाहनों की लगी कतारें

राजौंद। कैथल असंध मार्ग पर ईंटों से भरी ट्राली की धूरा टूटने से मार्ग पर आने जाने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सड़क की एक साइड बंद होने से लोगों का मार्ग से गुजरना लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। इस बारे ट्रैक्टर ड्राइवर दर्शन सिंह ने बताया कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने की वजह से यह हादसा हुआ है अगर सड़क साफ बनी हुई होती तो लोडिंग की गाड़ी को कोई परेशानी नहीं होती इस मार्ग की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार पला राम, बीरु, चंद्रभान सतवीर ने बताया कि इस मार्ग की वजह से सारा दिन कोई न कोई ट्रैफिक बाइक, टैक्टर ट्राली व अन्य वाहन इस सड़क में धंसे होना आम बता है।

किसानों व सामाजिक मुद्दों को लेकर बैठक 15 को कंडेला में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने कहा कि सर्वखाप जनकल्याण मंच भारतीय किसान यूनियन की बैठक राष्ट्रीय मुख्यालय कंडेला में 15 मई को बुलाई गई है। बैठक में चलाए जा रहे किसानों के मुद्दे व सामाजिक मुद्दों जैसे हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव, लीव इन रिलेशनशिप को खत्म करना, किसानो की फसलों पर एमएसपी दिलवाना, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू कराना, प्राकृतिक खेती व मोटी फसलों को बढ़ावा देना, मनरेगा स्कीम को कृषि के साथ जोड़ना, युवाओं में बढ़ रहे नशे को दूर करना आदि इन सभी मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी। कंडेला ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव व विधानसभा चुनाव पर भी लोगों की नबज टटोली जाएगी। कंडेला लंबे समय से किसानों व सामाजिक मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और दिल्ली में पिछले कई सालों से चल रहे किसान आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। कुरुक्षेत्र लोकसभा से इनेलो प्रत्याशी अभय सिंह चौटाला को इसका मिलता नजर आ रहा है।

बैठक करते हुए टेकराम कंडेला।

कंडेला ने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस व भाजपा हर समस्या व सामाजिक मुद्दों पर जो बात कर रही थी, इसमें दोनों ही पार्टियों ने किसानों को लोकसभा चुनाव में टिकट देने में अवहेलना की है।

नैना चौटाला के काफिले पर हमला करने पर 15 लोगों पर मामला दर्ज

जींद। गांव रोजखेड़ा में हिसार लोस से जजपा प्रत्याशी व उसके काफिले पर हमला करने पर उचाना थाना पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ दुर्व्यवहार करने, प्रचार में शामिल महिलाओं के साथ अशील हरकत करने, मारपीट करने, काफिले की गाड़ी के शीशे तोड़ने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले मे एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। जसिया (रोहतक) निवासी महाबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हिसार लोकसभा से जजपा प्रत्याशी नैना चौटाला की गाड़ी का चालक है। नैना चौटाला प्रचार के लिए गांव रोजखेड़ा पहुंची थी। लगभग 15 लोगों ने नैना चौटाला के भाषण को रुकवा दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

पांच सालों से निर्माण मजदूरों को कोई भी सुविधा नहीं मिली

- ऑब्जेक्शन लगा कर मजदूरों को मिलने वाली सुविधाओं से किया जा रहा वंचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मजदूर भवन में शनिवार को संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा की कन्वेंशन का आयोजन जिला प्रधान कश्मीर सेलवाल, सतीश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित की गई। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए सीटू के रा'य अध्यक्ष सुखबीर सिंह, इंटक के राज्य महासचिव धर्मवीर लोहान ने कहा कि भाजपा राज में पांच सालों से निर्माण मजदूरों को कोई भी सुविधा नही मिल रही है। देश व प्रदेश की भाजपा सरकार झूठा प्रचार करके मजदूरों के साथ मजाक कर रहे हैं। भाजपा राज में मजदूरो के बोर्ड के करोड़ो रुपये खर्च करके अपने राजनीतिक फायदे के लिए बोर्ड के पैसों का दुरुपयोग करके झूठी वाहवाही लूटने का काम कर रही है। जबकि साढ़े चार सालों से भाजपा-जजपा सरकार बोर्ड के पैसों पर कुंडली मारे बैठी रही है। जो पैसा मजदूरों को देना चाहिए था, उस पर बेमानी ऑब्जेक्शन, फैमली आईडी की शर्त लगा दिया गया है।

कन्वेंशन को संबोधित करते हुए वक्ता।

पूर्व सैनिकों ने हवलदार को दी श्रद्धांजलि

- पूर्व सैनिक हवलदार हरकेश सिरोही गांव टयोंठा में हुए पंचतत्व विलिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूर्व सैनिक हवलदार हरकेश सिरोही गांव टयोंठा में हुए पंचतत्व विलिन। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के कार्यकर्ता अपने साथी की अंतिम यात्रा में शामिल हुए, उन्हें अपने तौर पर सलामी दी। प्रधान हवलदार जगजीत फौजी ने बताया की सुबह जैसे ही उन्हें पता चला कि हमारे पूर्व सैनिक साथी हवलदार हरिकेश सिरोही की मृत्यु हो गई है, तो वे सभी अपने साथियों के तुरंत उनके निवास स्थान टयोंठा में पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी साथियों ने उनके अंतिम संस्कार के समय उनके पार्थिव शरीर पर तिरंगा उड़ाकर पुष्प चक्त्र एवं फूल मालाओं के साथ श्रद्धांजलि दी। उसके बाद तिरंगे को उनके बड़े भाई रमेश सिरोही को भेंट किया गया। इसके बाद में सामाजिक रीति-रिवाज अनुसार उनके परिवार और सभी सैनिक साथियों ने उनका अंतिम संस्कार किया। इस मौके पर भारत माता की जय और हवलदार हरिकेश अमर रहे के नारों के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी। एसोसिएशन प्रधान ने सभी पूर्व सैनिक परिवार से अनुरोध करते हुए बताया कि जब भी किसी पूर्व सैनिक साथी का स्वर्गवास हो जाता है तो एसोसिएशन को अवश्य सूचित करें।

पूंडरी। पूर्व सैनिक की अंतिम यात्रा में शामिल होकर श्रद्धांजलि देते हुए पूर्व सैनिक।

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बद्दुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे है अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दूधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत श्रृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए, वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोंधी-सोंधी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनूर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बाहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। ये अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अकसर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टैमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अकसर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

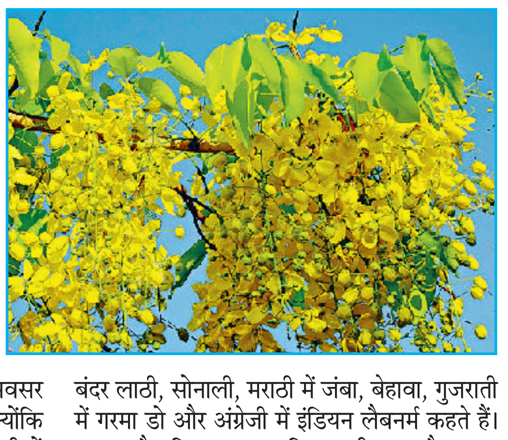

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली ओर खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसके कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी ओर कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किराल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा डो और अंग्रेजी में इंडियन लैबनर्म कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिआ फीस्टुला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णाश और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। वाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ीनुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टेनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडिताः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंध: प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावना: आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नही लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में **हरिभूमि** को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

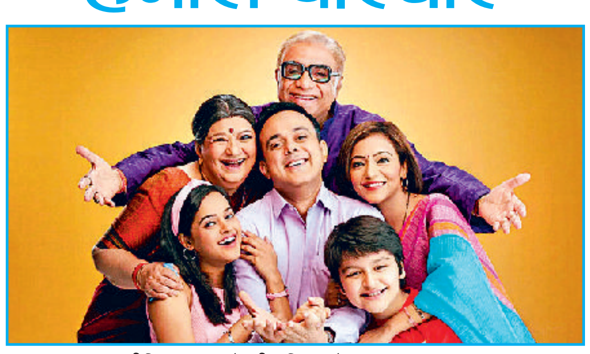

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आचरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुति: हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा
अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी-सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन-अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भी: 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंद: फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *